केन्द्रीय विश्वविद्यालय कर्नाटक, गुलबर्गा

हमारे बारे में :

सांसदीय अधिनियम (नं.3, 2009) के अंतर्गत, कर्नाटक में स्थित कर्नाटक केन्द्रीय विश्वविद्यालय की स्थापना की गई। जो जिले के शैक्षणिक विकास क्रम, और राष्ट्रीय स्नातक नामांकन अनुपात में 11ः से भी कम है, उन लोगों में समानता और निष्पक्षता से उच्चशिक्षा की गुणवत्ता को बढ़ाने के लिए भारत सरकार द्वारा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के 11वी योजना के अंतर्गत 16 नए विश्वविद्यालयों की स्थापना की गई, उन में से यह एक (क.वि.क) विश्वविद्यालय है।

कर्नाटक केन्द्रीय विश्वविद्यालय ने अपने प्रादेशिक अधिकार क्षेत्र के तहत पूरे कर्नाटक में, अगस्त 2009 के शैक्षणिक सत्र से अपने कार्यकलाप शुरू किए हैं। शैक्षणिक उपलब्धि के उच्चतम स्तर को प्राप्तकरने और बनाये रखने की दार्शन, भर्ती और नियुक्ति में समानता तथा पहुँच के प्रति संवेदनशील होना और देश के सर्वोत्तम राष्ट्रीय शैक्षिक शोध संस्थान के रूप में इस विश्वविद्यालय का अविर्भाव हुआ।

कर्नाटक राज्य सरकार द्वारा चयनित गुलबर्गा वाघधरी अंतर प्रांतीय राज्य पर कडगंचि सुंटनुर गावों के 621 एकड़ भूमी विश्वविद्यालय को प्रदान की गई है। जहाँ पर अधिकृत सीमावर्ती दीवार निर्माण कार्य समाप्ति पर है और परिसर विकास के अस्थायी परिसर से काम कर रहा है, जहाँ उसका प्रशासनिक कार्यालय, कक्षाएँ, पुस्तकालय, संगणकीय प्रयोगशाला आदि संसाधन उपलब्ध है।

लक्ष्य एवं उद्देश्य :

क) यथोचित अध्ययन शाखाओं में अनुसंधान सुविधाएँ उपलब्ध कराकर प्रगत ज्ञान का प्रचार–प्रसार करना।

ख) मानविकी, सामाजिक विज्ञान, विज्ञान एवं तकनीकी के शैक्षिक कार्यक्रमों में समग्र अभ्यासक्रमों का विशेष प्रावधान रखना।

ग) अध्ययन–अध्यापन प्रक्रिया, अंतरराष्ट्रीय शिक्षा तथा अनुसंधान में परिवर्तन व नव–निर्माण को बढ़ावा देने हेतु उचित कदम उठाना।

घ) राष्ट्र के विकास हेतु जनशक्ति को शिक्षित एवं प्रशिक्षित करना।

ड) विज्ञान तथा तकनीकी उन्नति के लिए उद्योगों के साथ संपर्क स्थापित करना, लोगों का कल्याण, सामाजिक और आर्थिक परिस्थियों की वृद्धि, उनके बौद्धिक, शैक्षणिक तथा सांस्कृतिक विकास को बढ़ाने के लिए विशेष ध्यान देना।

यह विश्वविद्यालय इसके प्रति जागरूक है कि वह भारत के कुशल, प्रशिक्षित जनशक्ति तथा ज्ञान व्यवस्था को आगे बढ़ानेवाले नायक के रूप में तत्वरित गति से विकसित होनेवाला एक वैश्विक केन्द्र है। यह भी आवश्यक है कि नये विश्वविद्यालयों को ज्ञान तथा सूचनाओं का निरंतर नवीन और आधुनिक बनाते हुए क्रियाशील सहयोगी के रूप में सामाजिक चेतना में मार्गदर्शक बनना है। कर्नाटक विश्वविद्यालय तेजी से इस

सोच के साथ अभिन्नता रखता है, जिसे दोनों शैक्षणिक प्रयास अर्थात अध्यापन में गुणवत्ता और धारिता के मार्ग विशेषक को पहचानने का प्रयास होता है। प्रबल आंतरिक अनुशासन दृष्टिकोण कैफेटरिया आधारित सेमिस्टर पद्धति इस विश्वविद्यालय के लिए मौलिक रूचि है।

प्रतीक– चिह्न के बारे में :

गुलबर्गा एक ऐतिहासिक स्थल है। यह 12वीं शताब्दी के महान संत बसवेश्वर के सामाजिक सुधार आंदोलन का उद्‌गम स्थान है, जो रहस्यवादी चेतनाधारा के गहरे प्रभाव में था और महान सूफी संत ख्वाज़ा बंदा नवाज़ से भी यह संबंधित है।

विश्वविद्यालय मानवता और समानता के सार्वभौम प्रतीको से अपनी पहचान स्थापित करता है, जो लोगों की उन्नति और ज्ञानोदय की चेतना के आलोक में शिक्षा के सामान्य प्रवाह के लिए उत्तरदायी है।

इन विचारों ने अपनी अभिव्यक्ति प्रसिद्ध एवं प्राचीन 'जीवन–वृक्ष' के प्रतीक से प्राप्त की है, जो कि हमारे विश्वविद्यालय के प्रतीक के मूलाधार के रूप में गृहीत है और समकालीन संदर्भो में अभिव्यक्त है। पृष्ठभूमि में दर्शित मूर्ति 'विद्यर्थी' को निरूपित करती है जोकि अपनी व्यापकता में जीवन को भी अतिक्रमित करता दीखता है एवं ज्ञान और प्रबोधन की ओर ले जाता है।

अतिथि

महामहिम राष्ट्रपति प्रतिभा देवी सिंह पाटिल

कुलपति

प्रो.ए.एम.पठान

विश्वविद्यालय के कार्यकारी परिषद के सदस्य

अध्यक्ष

प्रो.ए.एम.पठान

कुलपति

कर्नाटक केन्द्रिय विश्वविध्यालय

सचिव	उच्चतर शिक्षा विभाग मानव संसाधन विकास मंत्रालय भारत सरकार
प्रधान सचिव सरकार	उच्चतर शिक्षा विभाग कर्नाटक सरकार
प्रो. अमिताब मट्टु	पूर्व कुलपति - जम्मू विश्वविद्यालय
डॉ. महमुद-उर-रहमान	अध्यक्ष - जम्मू और कश्मीर, राज्य वित्त आयोग
प्रो.के.बि.पोवार	(पूर्व कुलपति, शिवाजी विश्वविद्यालय एवं महासचिव, ए.आई.यू)
प्रो. वाई. डि. प्रसाद	पूर्व निदेशक ए.एन.एस.एस.आई.एस.एस
प्रो.यु.बि.भोईते	पूर्व कुलपति वाई.सि.एम.ओ.यु और भारती विद्यापीठ
प्रो.जे.ए.के. तरीन	कुलपति पोंडिचरि विश्वविद्यालय
प्रो. फुरक्वन खमर	कुलपति केन्द्रीय विश्वविद्यालय हिमाचल प्रदेश.
प्रो. वसंत गोवारिकर	पूर्व कुलपति पुणे विश्वविद्याल

विश्वविद्यालय के अकादमिक परिषद के सदस्य

अध्यक्ष

प्रो.ए.एम.पठान

कुलपति

कर्नाटक केन्द्रिय विश्वविध्यालय

प्रो.एच.ए.रंगनाथ
निदेशक
राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद

प्रो.एन.आर.माधव मेनन
पूर्व कुलपति
नेशनल लॉ स्कूल ऑफ इंडिया
युनिवर्सिटी

प्रो.एस.के.सैदापुर
पूर्व कुलपति
कर्नाटक विश्वविध्यालय,
धारवाड

प्रो.सि.नागन्ना
भूविज्ञान के प्राध्यापक
बैंगलोर विश्वविद्यालय

प्रो.के.एन.पाठक
पूर्व कुलपति
पंजाब विश्वविद्यालय

प्रो.एल.के.महेश्वरी
कुलपति व निदेशक,बिर्ला
प्रौद्योगिकी और विज्ञान संस्थान

प्रो.आर.के.काले
कुलपति
गुजरात केन्द्रिय विश्वविध्यालय

प्रो.वि.एस.प्रसाद
पूर्व निदेशक
राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन
परिषद

प्रो. मुसलिम ताज अहमद
प्रधानाचार्य
जेड. एच. कॉलेज ऑफ
इंजीनियरिंग
अलीगढ़ मुसलिम विश्वविध्यालय

प्रो.पि.जोगडांड
समाजशास्त्र विभागमुंबई
विश्वविद्यालय

प्रो.वि.एस. राममूर्थि
निदेशक
राष्ट्रीय प्रगतिशिल अध्ययन
संस्थान.बेंगलोर

प्रो.एन.सत्यमूर्थि
निदेशक आई.आई.एस.ई.आर.
मोहालि

डॉ.बि.के.गैरोला
महानिदेशक
राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र

प्रो. सुनील गुप्ता
कुलपति
हिमाचलप्रदेश विश्वविद्यालय

प्रो. सुजित के बासु
एकीकृत शिक्षा प्रबंधन संस्थान

डॉ. संदीप संचेटि
निदेशक
राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान कर्नाटक

प्रो.ए.एस.नारंग
सामाजिक विज्ञान विद्यालय
इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त
विश्वविद्यालय

डॉ. मंजु शर्मा
भारत सरकार के पूर्व सचिव
जैव प्रौद्योगिकी विभाग

प्रो.वीर सिंह
भौतिकी विभाग,
राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान
रुड़की

श्री रमेश एन. नवले
सचिव,
श्री हिंगुलांबिका शिक्षा संस्था
गुलबर्गा

प्रशासन

1) कुलपति

प्रो. ए.एम. पठान

कुलपति

2) प्रति–कुलपति

प्रो. एस. चंद्रशेखर

डीन, सामाजिक एवं व्यवहार विज्ञान विद्यापीठ और इतिहास के प्रोफेसर

3) कुलसचिव

श्री. अनुप के. पुजारी

4) प्र.परिक्ष नियंत्रक

प्रो. अली रज़ा मूसवी

डीन, पृथ्वी विज्ञान विद्यापीठ और भूगोल के प्रोफेसर

5) वित्त–अधिकारी

श्री. पी. श्रीरामुलु

6) पुस्तकालयाध्यक्ष

डॉ. पी. एस. कट्टीमनी

उप पुस्तकालयाध्यक्ष

प्रशासनिक अधिकारी

कुलसचिव कार्यालय		
श्री. अनुप के. पुजारी	कुलसचिव	apujari@yahoo.com anuppujari@hotmail.com
श्री. पि श्रीरामु	वित्त अधिकारी	focukgul@gmail.com
श्री. एस.एल. भंडारकर	उप–कुलसचिव	engineershiva08@gmail.com
श्री. एम.ए. कुद्दुस	सहायक कुलसचिव	08472-273175 quddus_maq@hotmail.com
श्री. वीरन्ना कम्मर	सहायक कुलसचिव	veerannakumar@gmail.com
श्री. सुनील जी	अनुभाग अधिकारी	sunil_kuder@yahoo.com
श्री. अज़ीम पाशा	अनुभाग अधिकारी	azeemps@gmail.com
परीक्षा अनुभाग		
डॉ. अली राज़ा मूसवी	प्रोफेसर भूगोल प्र.परिक्ष नियंत्रक	08472&267663 moosvi1@gmail.com
पुस्तकालय		
डॉ. परशुराम कट्टीमनी	उप पुस्तकालयाध्यक्ष	08472-273643 parashu.kattimani@gmail.com
कंप्यूटर लॉब		
श्री. विनोद कुमार तांडुरकर	सिस्टम ॲनालिस्ट	08472&273642 vtandurkar@yahoo.com

सुविधाएँ :

संगणक केंद्र :

विश्वविद्यालय परिसर निर्माणाधीन है और विश्वविद्यालय के कार्यालय, कक्षाएँ गुलबर्गा विश्वविद्यालय के प्रशासकीय भवन के द्वितीय तल पर हैं।

अस्थायी प्रबंध के रूप में छात्रों के लिए छात्रावास की सुविधा है 'पहले आओ पहले पाओ' के आधार पर उपलब्ध करायी जाती है।

संगणक केंद्र :

विश्वविद्यालय के छात्रों, शोधार्थियों, संकाय सदस्यों और शिक्षकेतर कर्मचारियों को संगणक केंद्र उपयोग के लिए उपलब्ध है।

लॉन :

विस्तृत संगणक जाल, संगणक प्रयोगशाला, संकाय सदस्य कक्ष, पुस्तकालय, प्रशासन एवं शाखा कार्यालय लेन से सम्बद्ध है, जो बंज.6 तार, उच्च गति ब्ैब् स्विच से सम्बद्ध है।

इन्टरनेट

छात्रों, शोधार्थियों, संकाय सदस्यों, प्रशासकीय कार्यालयों और शिक्षकेतर कर्मचारियों के लिए **1Gbps** इंटरनेट की सुविधा उपलब्ध है।

केंद्रीय विश्वविद्यालय कर्नाटक, गुलबर्गा के पुस्तकालय में आपका हार्दिक स्वागत है.

(यहाँ प्रवेश हेतु आपकी इच्छा ही अभीष्ट है।)

इस दुनिया में केवल पुस्तकें ही सच्ची मित्र हैं; पुस्तकालय ही एकमात्र खजाना है जो सभी आगंतुकों के लिए खुला रहता है; ज्ञान एकमात्र सम्पत्ति है जिसका क्षरण नहीं होता; बुद्धि ही एकमात्र आभूषण है जो आपके दुर्दिन में भी आपका साथ नहीं छोड़ती।

– जे.ए. लैंगफोर्ड –

केंद्रीय विश्वविद्यालय कर्नाटक, गुलबर्गा पुस्तकालय सूचनाओं से न केवल प्रयोक्ताओं के ज्ञान–क्षितिज का विस्तार करता है बल्कि उनकी गतिविधियों, जो कि पुस्तकों द्वारा अधिगम करने से लेकर समाचारपत्रों के अध्ययन,ई जर्नलों के प्रयोग व ई–पुस्तकों के अध्ययन तक विस्तृत है, में सहायता पहुँचाता है। पुस्तकालयाध्यक्ष यहाँ महज द्वारपाल नहीं होते बल्कि वे वैयक्तिक जीवन की गुणवत्ता में सुधार की व्यापक प्रक्रिया के उद्देश्य में सहायक के रूप में होते है। हम इस लक्ष्य से संचालित है कि पूरी निष्ठा व समर्पण से कठिन परिश्रम द्वारा जिसे टीम भावना व इस संकल्प के साथ जो कि आकादमिक समुदाय को सामरिक सूचनाओं की आवश्यकता में मदद करें, जो कि सतत बिंदु–केंद्रित, पूर्ण एवं द्रुतगामी हो।

कें.वि.क. के पुस्तकालय का उद्देश्य इस क्षेत्र में एक अग्रणी अकादमिक शोध पुस्तकालय होना है। इस समय पुस्तकालय में चुनिंदा 4000 पुस्तकों का संग्रह उपलब्ध है। पुस्तकालय के संसाधनों में शामिल हैं– विश्वकोश, विविध विषयों के शब्दकोश, सामान्य संग्रह, मौलिक स्रोत ग्रंथ, आलोचनात्मक कार्य और इसी प्रकार विशेष कौशलों से संबंधित पुस्तकें जो व्यक्तित्व विकास, समय प्रबंधन और संप्रेषण कौशल से जुड़ी है, शामिल हैं। पुस्तकालय ने ई–जर्नलों का पूर्वक्रय ग्रहण करने के साथ ही दैनिक समाचार पत्रों, पत्रिकाओं और जर्नलों का भी ग्राहक बना है। हमारा उद्देश्य पुस्तकालय को एक आकर्षक अधिगम केंद्र के रूप में स्थापित करना है जो विश्वविद्यालय की अकादमिक, शोध व विकास संबंधी गतिविधियों को बल प्रदान कर सके। हमारा उद्देश्य अकादमिक एवं शोध संबंधी गतिविधियों में भागीदारी करना व उसे बल प्रदान करना है जिससे समाज का सर्वांगीण विकास हो व मानवता के वृहत्तर हितों की पूर्ति हो।

सूचना सेवाएँ :

प्राप्त करने की सुविधा

संदर्भ सेवाएँ और पुस्तक खोज इंटरनेट

सेवाएँ

प्रयोक्ता शिक्षा

फोटोकॉपी और मुद्रण सुविधाएँ

स्कैन किए गए दस्तावेजों तक पहुँच की सुविधा यू.जी.सी.

इंफोनेट सुविधा

ऑनलाईन ई–स्रोत

दस्तावेजों की स्कैनिंग

अद्यतन जानकारियों की सुविधाएँ

पुस्तकालय खण्ड :

उपलब्धि

सारणीयन

वितरण

नियतकालिक पत्रिकाएँ

भावी योजनाएँ :

आर.एफ.आई.डी. तकनीकी के साथ पुस्तकालय का स्वचालन

यू.जी.सी. इंफोनेट सुविधा के प्रयोगकर्ताओं तक पहुँच का विस्तार ऑनलाईन

ई–पुस्तकों व ई–जर्नलों की सदस्यता

पुस्तकालय सर्वर एन.

ए.एस. सर्वर

संस्थागत संग्रहालय का विकास

पुस्तकालय कार्यावधि

प्रातः 10:00 से शाम 05:30 बजे तक

सोमवार से शनिवार

(सामान्य और घोषित अवकाशों को छोड़कर)

छात्रावास :

विश्वविद्यालय परिसर निर्माणाधीन है और विश्वविद्यालय के कार्यालय, कक्षाएँ, पुस्तकालय और कम्प्यूटर प्रयोगशाला गुलबर्गा विश्वविद्यालय के प्रशासनिक भवन में द्वितीय तल पर अवस्थित है। सीमित संख्या में 'पहले आओ पहले पाओ' के आधार पर विद्यार्थियों के रहने हेतु छात्रावास सुविधा की अस्थायी व्यवस्था की गई है। वे विद्यार्थी जिन्हें विश्वविद्यालय द्वारा निवास की सुविधा नहीं उपलब्ध कराई जा पा रही हैं वे 'छात्र कल्याण अधिकारी' से मिल सकते हैं जो किराए के निवास को प्राप्त करने में उनकी मदद करेंगे।

स्थानीय :

गुलबर्गा के बारे में :

गुलबर्गा जिसे 'कालबुर्गी' के नाम से भी जाना जाता है दक्षिण भारत के कर्नाटक प्रांत का एक शहर है। यह बंगलूरू से 613 कि.मी. उत्तर में अवस्थित है और सड़क द्वारा बिजापुर, हैदराबाद और बीदर से अच्छी तरह जुड़ा हुआ है। दक्षिण भारत से मुंबई और दिल्ली को जाने वाली ट्रेनें गुलबर्गा होकर गुजरती हैं।

इसकी स्थापना बहमनी सुल्तानों द्वारा 14 वीं शताब्दी में उनकी राजधानी के रूप में की गई थी। यह महान सूफी संत 'ख्व़ाजा बंदे' नवाज़' और समाज सुधारक 'बसवेश्वर' की भूमि है। इसके भी पहले छठी शताब्दी में इस क्षेत्र का इतिहास तब प्रारंभ होता है जब राष्ट्रकूटों ने यहाँ नियत्रंण स्थापित किया। परंतु चालुक्यों ने अपना राज्य पुनः प्राप्त किया और लगभग दो सौ वर्षों तक इस क्षेत्र पर शासन किया। निज़ाम के शासन के दौरान यह शहर खूब फला–फूला।

सन् 1948 ई. में जब स्वतंत्र भारत संघ ने हैदराबाद राज्य का अधिग्रहण कर लिया और 1956 ई. में हैदराबाद राज्य का उसके पड़ोसी राज्यों में भाषाई आधार पर विभाजन कर दिया गया। गुलबर्गा जिले का अधिकांश भाग 'मैसूर राज्य' का हिस्सा बना जिसे बाद में 'कर्नाटक' के नाम से जाना गया। गुलबर्गा में 10 तालुके हैं– आलंद, गुलबर्गा, सेदाम, अफज़लपुर, शाहपुर, चिंचोली, यादगिरि, जेवर्गी, सूरपुर और चित्तपुर। गुलबर्गा जिले की सीमाएँ आंध्र प्रदेश और महाराष्ट्र राज्यों से मिलती हैं।

विद्यार्थी जीवन :

गुलबर्गा शहर एक प्रादेशिक विश्वविद्यालय, चार निजी क्षेत्र के इंजीनियरिंग कालेजों व दो मेडिकल कालेजों के अलावा कई व्यावसायिक कालेजों से सुसज्जित है। विद्यार्थियों की गतिविधियाँ इन्हीं परिसरों के इर्द–गिर्द घूमती रहती हैं और इस सबंध में शहर में भी सीमित अवसर हैं। इसके बावजूद केंद्रीय विश्वविद्यालय कर्नाटक अपने स्वयं के परिसर को यथाशीघ्र स्थापित करने हेतु तत्पर है जिससे विद्यार्थियों को आरामदेह और अकादमिक वातावरण सुलभ हो।

मौसम :

गुलबर्गा शहर का मौसम उष्ण है और तापमान गर्मियों के महीनों अर्थात् मई–जून में 45^0 से. के ऊपर पहुँच जाता है। इसके बाद भी यहाँ का मौसम आमतौर पर उष्ण व शुष्क रहता है। वर्षा ऋतु जून से अक्टूबर तक रहती है जिसके बाद अल्प किंतु तीक्ष्ण शीत ऋतु जनवरी तक रहती है।

कैसे पहुँचे?

गुलबर्गा शहर रेल व सड़क यातायात से भले प्रकार जुड़ा हुआ है। नज़दीकी हवाई अड्डा हैदराबाद में है जिसकी दूरी 220 की.मी. है। यहाँ आने के लिए बंगलूरू, मुम्बई व हैदराबाद से रोज ट्रेनें चलती हैं। सड़क द्वारा यात्रा की औसत अवधि हैदराबाद से चार–पाँच घण्टे तथा बंगलुरू व मुम्बई से रात्रि पर्यंत है।

ट्रेनों का विवरण :

हैदराबाद से –

ट्रेन क्रमांक	नाम	प्रस्थान	आगमन
1020	कोणार्क एक्सप्रेस	11:57	16:54
7032	मुम्बई एक्सप्रेस	20:40	01:29
2702	हुसैनसागर एक्सप्रेस	14:45	18:48
0330	हैदराबाद बीजापुर पैसेंजर	19:50	03:00

बंगलुरू से –

ट्रेन क्रंमाक	नाम	प्रस्थान	आगमन
1014	लोकमान्य तिलक टर्मिनल एक्सप्रेस	15:25	03:19
7307	बासव एक्सप्रेस	17:45	04:52
2627	कर्नाटक एक्सप्रेस	19:20	05:39
6530	उद्यान एक्सप्रेस	20:10	08:49

मुम्बई से –

ट्रेन क्रमांक	नाम	प्रस्थान	आगमन
1013	कोयम्बतूर एक्सप्रेस	23:18	08:33
1019	कोणार्क एक्सप्रेस	15:10	02:33
2163	चेन्नई एक्सप्रेस	21:15	06:08
6381	कन्याकुमारी एक्सप्रेस	15:45	02:58
2701	हुसैनसागर एक्सप्रेस	21:50	07:33
6339	नागरकोईल एक्सप्रेस	12:05	22:18
6529	उद्यान एक्सप्रेस	08:05	18:43
7031	हैदराबाद एक्सप्रेस	12:45	00:28
7017	आर.जे.टी. सिंकदराबाद एक्सप्रेस	19:45	04:51
1041	सी.एस.टी.एम. चेन्नई एक्सप्रेस	14:00	01:08
1027	चेन्नई मेल	13:45	11:23

संकाय

प्राचार्य

प्रो. एस. चंद्रशेखर	डीन, सामाजिक और व्यवहार विज्ञान विद्यापीठ, एवं इतिहास के प्रोफेसर
प्रो. राजानालकर लक्ष्मण	डीन, व्यावसायिक विद्यापीठ प्रोफेसर और वाणिज्य विभाग के समन्वयक
प्रो. एम. वी. आलगावडी	प्रोफेसर और व्यावसायिक अध्ययन विभाग के समन्वयक
प्रो. अली रज़ा मूसवी	डीन, पृथ्वी विज्ञान विद्यापीठ प्रोफेसर और भूगोल विभाग के समन्वयक
प्रो. नगलपल्ली नागराजू	डीन, मानविकी और भाषा विद्यापीठ एवं अंग्रेजी के प्रोफेसर

सह–आचार्य

डॉ. बसवराज पि डोनुर	सह–आचार्य, और अंग्रेजी विभाग के समन्वयक
डॉ. विक्रम विसाजी	सह–आचार्य, और कन्नड़ विभाग के समन्वयक
डॉ. जय प्रकाश प्रधान	सह–आचार्य, और अर्थशास्त्र विभाग के समन्वयक
डॉ. वेणुगोपला रेड्डी	सह–आचार्य, इतिहास
डॉ. रोमेट जॉन	सह–आचार्य, मनोविज्ञान
डॉ. सुलोचना शेखर	सह–आचार्य, भूगोल

सहायक–आचार्य

श्री गणपति बी सिन्नूर	सहायक–आचार्य, व्यावसायिक अध्ययन
डॉ. प्रिया नारायणान	सहायक–आचार्य, भूगोल
श्रीमती. शुष्मा एच	सहायक–आचार्य, व्यावसायिक अध्ययन
डॉ. बसवराज कोडगुंटी	सहायक–आचार्य, कन्नड़
श्रीमती साफिया परवीन	सहायक–आचार्य, व्यावसायिक अध्ययन
डॉ. टीडी राजन्ना थग्गी	सहायक–आचार्य, कन्नड़
डॉ. पांडुरंगा वेंकटरामुलू	सहायक–आचार्य, वाणिज्य
डॉ. मोहम्मद जोहैर	सहायक–आचार्य, व्यावसायिक अध्ययन
डॉ. अप्पगेरे सोमाशेकर	सहायक–आचार्य, कन्नड़
श्रीमती रेणुका एल. नायक	सहायक–आचार्य, अंग्रेजी
डॉ. सुमा स्कारिया	सहायक–आचार्य, अर्थशास्त्र

अस्थायी आधार पर

डॉ. आर. विजयालेक्ष्मी	सहायक–आचार्य, अंग्रेजी
डॉ. शशिरेखा टी.	सहायक–आचार्य, मनोविज्ञान

अतिथियों के रूप में

प्रो. छाया देवगावंकर	प्रोफेसर अर्थशास्त्र
प्रो. शीवकुमार चेंगती	प्रोफेसर मनोविज्ञान प्रोफेसर
प्रो. आर. निजगुनप्पा	पर्यावरण विज्ञान

अकादमी

अध्ययनरत् शैक्षणिक विद्यापीठ

अध्ययनरत् विद्यापीठ, विभाग और प्रस्तुत पाठ्यक्रम :

1) स्नातक अध्ययन विद्यापीठ
2) सामाजिक और व्यवहार विज्ञान विद्यापीठ
3) मानविकी और भाषा विद्यापीठ
4) व्यवसायिक विद्यापीठ
5) पृथ्वी विज्ञान विद्यापीठ

स्नातक अध्ययन विद्यापीठ :

स्नातक अध्ययन विद्यापीठ दूसरे विद्यापीठ और विभाग के साथ संपूर्ण रूप से अनुभवी स्नातक बनाता है। बी.ए.(आनर्स) स्तर पर सुगम तरीके से दूसरे विद्यापीठ द्वारा अकादमीक सुविधाएँ उपलब्ध करायी जाती है।

विद्यापीठ द्वारा निम्न विषयों में 5 वर्ष के समग्र पाठ्यक्रम में आमंत्रीत आवेदन, जिसमें 3 साल बी.ए. (आनर्स) उपाधि के बाद बाहर निकलने का विकल्प भी है।

1) इतिहास
2) अर्थशात्र
3) भूगोल
4) मनोविज्ञान
5) अंग्रेजी

योग्यता : छात्र जो 18 वर्ष है और 12वी कक्षा/इन्टरमिडिएट पास है, मान्यता प्राप्त भारतीय या विदेशी विश्वविद्यालय/बोर्ड या समकक्ष (विदेशी मान्यता प्राप्त ए.आई.यू.सूची के अनुसार) संस्था से न्यूनतम 50: कुल अंको के साथ और जो विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित प्रवेश परीक्षा में उत्तीर्ण हो।
प्रत्येक विभाग में छात्रों की संख्या 30 निर्धारित है :

पाठ्यक्रम रूपरेखा

बी.ए. (आनर्स) 3 साल (छः सेमिस्टर) का पाठ्यक्रम है, जिसमें निम्नलिखित विषय पढाएँ जाएँगे।

महत्वपूर्ण पाठ्यक्रम (छात्र किसी एक विषय को चुन सकते हैं।)

1) इतिहास, 2) अर्थशास्त्र, 3) भूगोल, 4) मनोविज्ञान, 5) अंग्रेजी

आधार पाठ्यक्रम (सभी छात्रों के लिए अनिवार्य)

इस पाठ्यक्रम का विकास मात्र छात्रों की समझदारी और विषय चुनने के लिए नहीं किया गया है बल्कि उनमें आगे चिन्तन का सामर्थ्य, एकीकृत समझदारी के लिए और एक संवेदनशील संज्ञानात्मक अभिज्ञाता का परिवेश विकसित करना है।

सामाजिक अभिविन्यास कोर्स (सभी छात्रों के लिए अनिवार्य)

छात्र को एक जिम्मेदार नागरिक बनाने की योजना तैयार है। जिसमें उसे देश के संसाधन, संस्कृति तथा **साहस** का विकास हो और रचनात्मक, सकारात्मक ज्ञान अवगत हो।

चयनित पाठ्क्रम (छात्र किसी एक विषय को चुन सकते है)

छात्रों द्वारा चुना गया विषय उनकी तत्परता है अपने विभाग से बाहर दूसरे विभाग से या अपने विद्यापीठ या दूसरे विद्यापीठ आदि से उसी छात्र को सहायता मिलेगी जो अकादमीक रूप से जिनका क्षेत्र विशेष रोचक और तत्परता परक हो, जो सामान्य तौर पर संभव नही है परम्परागत ढाँचे में यह जुड़ाव पसंदिदा विषय के साथ है।

भाषा पाठ्यक्रम (छात्र किसी एक भाषा क्षेत्र को चुन सकते हैं।)

इस विषय में छात्र की दक्षता अंग्रेजी में (12 क्रेडिट) और कोई एक भारतीय भाषा इसमें से चुन सकते हैं।

सम्बद्ध पाठ्क्रम (छात्र द्वारा एक विषय का चुनाव)

वही छात्र पूरक कोर्स का अध्ययन कर सकेंगे जो मुख्य के योग्य हो। वह पूरक विषय जिनका आधार विषय, योगदायी, अधिक एकीकृत और बहुविषयक समझदारी और प्राध्यापक के साथ मंत्रणा किया गया हो।

सामाजिक और व्यवहार विज्ञान विद्यापीठ

अधिष्ठाताः प्रो. एस. चंद्रशेखर

इस विद्यापीठ में वर्तमान में इतिहास और मनोविज्ञान के विभाग समाहित है जिसमें एम.फिल पाठ्यक्रम प्रास्तावित है।

इतिहास विभाग

इतिहास में एम.फिल

मनोविज्ञान विभाग

मनोविज्ञान में एम.फि

योग्यता :

सम्बन्धित/समवर्गी विषय में स्नातकोत्तर डिग्री, जो भारतीय या विदेशी विश्वविद्यालय (ए.आई.यू सूची के अनुसार विदेशी मान्यता प्राप्त) से मान्य हो, न्यूनतम 55ः कुल अंको के साथ उत्तीर्ण हो और जो विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित प्रवेश परीक्षा में उत्तीर्ण हो। (यू.जी.सी. नेट/स्लेट उत्तीर्ण अभ्यार्थियों को इससे मुक्त रखा गया है।)

विशेष सुविधा

सभी नामांकित छात्रों को एम.फिल पाठ्यक्रम के दौरान मासिक रू.3000/– छात्रवृत्ति और वार्षिक रू.8000/– आकस्मिक राशि मिलेगी। इन छात्रों को और कोई छात्रवृत्ति किसी स्रोत से नहीं मिलेगी।

प्रत्येक विषय में 06 छात्रों का स्थान निर्धारित है।

पाठ्यक्रम ढाँचा :

एम.फिल एक वर्ष पढाया जाएगा– दो छमाही का कार्यक्रम है। प्रथम छमाही में तीन अनिवार्य विषय यथा प्रस्तावित शोध–प्रबंध और दो अलग विषय ले सकते हैं। प्राध्यापक के सुझाव पर अपनी रूचि और शोध क्षेत्र का निर्धारण कर सकते है। द्वितीय छमाही में छात्र द्वारा लघु शोध–प्रबंध लिखना है।

मानविकी और भाषा विद्यापीठ

संकायाध्यक्ष/अधिष्ठाता : प्रो. नगलपल्ली नागराजू

इस विद्यापीठ के अन्तर्गत कन्नड़ और अंग्रेजी भाषा में एम.ए तथा एम.फिल पाठ्क्रम समाविष्ट है।

1) कन्नड़ विभागः

एम. ए. कन्नड़ भाषा और साहित्य

2) अंग्रेजी विभागः

एम.ए. अंग्रेजी
एम.फिल अंग्रेजी

कन्नड़ विभाग

एम.ए. कन्नड़ भाषा और साहित्य :

योग्यताः

छात्र जो 20–24 वर्ष के बीच हो, वे किसी मान्यता प्राप्त भारतीय या विदेशी विश्वविद्यालय (ए.आई.यू सूची के अनुसार विदेशी मान्यता प्राप्त) से किसी भी विषय में न्यूनतम 50: अंको के साथ उत्तीर्ण और साथ में एक विषय के रूप में कन्नड़ का

अध्ययन किया हो और उन्हें विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित प्रवेश परीक्षा में अर्हता प्राप्त करनी होगी।
30 छात्रों के लिए प्रावधान है।
प्रथम छमाही के लिए पाठ्यक्रम सामग्री प्रथम प्रश्न

पत्रः ओदूव बगेगलु – 1

द्वितीय प्रश्न पत्र : साहित्य कृति – नेर अनुसंधान –1 तृतीय प्रश्न पत्र :
कन्नड़ भाषा का इतिहास

अंग्रेजी विभाग

एम.ए. अंग्रेजी :

योग्यता : छात्र जो 20–24 वर्ष के बीच हो, वे किसी मान्यता प्राप्त भारतीय या विदेशी विश्वविद्यालय (विदेशी विश्वविद्यालय मान्यता प्राप्त सूची ए.आई.यु. सूची के अनुसार) से किसी भी विषय में न्यूनतम 50: अंको के साथ उत्तीर्ण और साथ में एक विषय के रूप में अंग्रेजी का अध्ययन किया हो और उन्हें विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित प्रवेश परीक्षा में अर्हता प्राप्त करनी होगी।
30 छात्रों के लिए प्रावधान है।

एम.फिल अंग्रेजी :

योग्यता : संबंधित विषय में स्नात्कोत्तर (एम.ए.) किसी भारतीय या विदेशी विश्वविद्यालय (विदेशी विश्वविद्यालय मान्यता प्राप्त सूची ए.आई.यु. सूची के अनुसार) से न्यूनतम 55: अंकों के साथ परीक्षा उत्तीर्ण हो और उन्हें विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित प्रवेश परीक्षा में अहर्ता प्राप्त करनी होगी। (यु.जी.सी. नेट/स्लेट पास उमीदवारों को इससे मुक्त रखा गया है।)
छात्रों के लिए 06 सीट है।

विशेष सुविधा :सभी नामांकित छात्रों को एम.फिल पाठ्यक्रम के दौरान रू.3000/– छात्रवृत्ति और वार्षि रू.8000/– आकस्मिक राशि मिलेगी। इन छात्रों को और कोई छात्रवृत्ति किसी स्रोत से नहीं मिलेगी।

व्यावसायिक अध्ययन विद्यापीठ :

वर्तमान में इस विद्यापीठ के अंतर्गत अर्थशास्त्र और योजना अध्ययन, वाणिज्य और व्यावसायिक अध्ययन विभाग भी समाविष्ट हैं, जिसमें निम्न प्रास्तावित पाठ्यक्रम है –

अर्थशास्त्र और योजना अध्ययन विभाग

अर्थशास्त्र में एम.फिल.

वाणिज्य अध्ययन विभाग

एम. कॉम

व्यावसायिक अध्ययन विभाग

एम.बी.ए.

अर्थशास्त्र में एम.फिल :

योग्यता मापदंड

भारतीय या विदेशी विश्वविद्यालय (एआइयु सूची के अनुसार विदेशी मान्यता प्राप्त)से सम्बन्धित विषय में/सम्बद्ध क्षेत्र से न्यूनतम् 55% के साथ स्नात्कोत्तर पूर्ण किया हो, और जो विश्वविद्यालय द्वारा आयोजीत प्रवेश परीक्षा में योग्य हो। (जो अभ्यर्थी यूजीसी नेट/स्लेट परीक्षा पास है उन अभ्यर्थियों को प्रवेश परीक्षा में छूट है, वे केवल विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित साक्षात्कार में उपस्थित हो सकते हैं।)

छात्रों के लिए 30 सीट हैं।

विशेष सुविधा :

सभी नामांकित छात्रों को एम.फिल पाठ्यक्रम के दौरान रू.3000/– छात्रवृत्ति और वार्षिक रू.8000/– आकस्मिक राशि मिलेगी। इन छात्रों को और कोई छात्रवृत्ति किसी स्रोत से नहीं मिलेगी।

वाणिज्य विभाग :

एम.कॉम

योग्यता मापदंड

भारतीय या विदेशी विश्वविद्यालय (एआइयु सूची के विदेशी मान्यता के अनुसार) से किस भी शाखा में न्यूनतम् 50% से स्नातक पूर्ण किया हो, और जो विश्वविद्यालय द्वारा आयोजीत प्रवेश परीक्षा में योग्य हो।

छात्रों के लिए 30 सीट हैं।

व्यावसायिक अध्ययन विभाग :

एम.बी.ए.

योग्यता मापदंड

भारतीय या विदेशी विश्वविद्यालय (एआइयु सूची के विदेशी मान्यता के अनुसार) से किसी भी शाखा में न्यूनतम् 50% से स्नातक पूर्ण किया हो, और जो विश्वविद्यालय द्वारा आयोजीत प्रवेश परीक्षा में योग्य हो।

छात्रों के लिए 30 सीट हैं।

पृथ्वी विज्ञान विद्यापीठ

वर्तमान में इस विद्यापीठ के अंतर्गत जियोग्राफी विभाग समाविष्ट है जिसमें निम्नलिखित पाठ्क्रम प्रास्तावित है।

एम.एससी. क्षेत्रीय विकास में जियोस्पेषियल अनुप्रयोग

एम.फिल जियोग्राफी

एम.एससी. क्षेत्रीय विकास में जियोस्पेषियल अनुप्रयोग

योग्यता मापदंड

भारतीय या विदेशी विश्वविद्यालय (एआइयु सूची के विदेशी मान्यता के अनुसार) से किसी भी शाखा में न्यूनतम् 50% से स्नातक पूर्ण किया हो, और जो विश्वविद्यालय द्वारा आयोजीत प्रवेश परीक्षा में योग्य हो।

छात्रों के लिए 30 सीट हैं।

एम.फिल जियोग्राफी

योग्यता मापदंड

भारतीय या विदेशी विश्वविद्यालय (एआइयु सूची के अनुसार विदेशी मान्यता प्राप्त)से सम्बन्धित विषय में/सम्बद्ध क्षेत्र से न्यूनतम् 55% के साथ स्नात्कोत्तर पूर्ण किया हो, और जो विश्वविद्यालय द्वारा आयोजीत प्रवेश परीक्षा में योग्य हो। (जो अभ्यर्थी यूजीसी नेट/स्लेट परीक्षा पास है उन अभ्यर्थियों को प्रवेश परीक्षा में छूट है, वे केवल विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित साक्षात्कार में उपस्थित हो सकते हैं।)

छात्रों के लिए 06 सीट हैं।

विशेष सुविधा :

सभी नामांकित छात्रों को एम.फिल पाठ्यक्रम के दौरान रू.3000/– छात्रवृत्ति और वार्षिक रू. 8000/– आकस्मिक राशि मिलेगी। इन छात्रों को और कोई छात्रवृत्ति किसी स्रोत से नहीं मिलेगी।

विकल्प आधारित क्रेडिट प्रणाली (सी.बी.सी.एस.) :

सभी पाठ्यक्रमों में सेमिस्टर तरीके से क्रेडिट प्रणाली देने का प्रयास। यह एक अनूठी विशेष प्रक्रिया होगी।

1) सीखने के लिए प्रगतिशिल अवसर
2) छात्रों के शैक्षिक जरूरतों और आकांक्षाओं को मिलाने की क्षमता।

3) शैक्षिक गुणवत्ता और उत्कृष्टता में सुधार तथा विकास।

4) कामगार छात्रों को कार्यक्रम पूरा करने की अवधि में लचीलापन।

5) नवीन और तुलनीय शैक्षिक कार्यक्रम देश भर में।

परीक्षा और मूल्यांकन पद्धति :

पाठ्यक्रम के प्रत्येक विषय के आंतरिक आकलन (सेशनल अंक सहित) और अंतिम छमाही परीक्षा में 40:60 का अनुपात सम्मिलित है, छात्र प्रत्येक विषय में सफल होने के लिए कुलमिलाकर जो न्यूनतम 40: अंक प्राप्त करते हैं। जो छात्र न्यूनतम 40: से कम अंक प्राप्त करेंगे वे अनुत्तीर्ण।

बकाया राशि के साथ छात्र अंतिम छमाही परीक्षा अधिकतम् तीन बार (प्रथम उपस्थिति को छोड़कर) तक दोहरा सकते हैं। छमाही अंकों की प्राप्ति छात्रों का परिणाम होगा। इस कोर्स के दौरान छात्र द्वारा अंतिम छमाही में परीक्षा उत्तीर्ण हुआ है, उसे दुबारा नहीं दे सकते, अंक बढ़ाने के लिए भी नहीं लिख सकते।

प्रतिशत अंकों का ग्रेड पॉईन्ट में परिवर्तन :

पाठ्यक्रम में विद्यार्थियों द्वारा प्राप्त प्रतिशत अंक ग्रेड पॉईन्ट एवं लेटर ग्रेड में परिवर्तित कर दिया जाएगा। छः बिंदुओं वाली स्केल पर विद्यार्थियों की उपलब्धियों का मूल्यांकन निम्नलिखित रूप में किया जाएगा –

अंक	ग्रेडपॉईन्ट	ग्रेड (अंक्षरों में)
75–100	5.50–6.00	O
65–74	4.50–5.49	A+
60–64	4.00–4.49	A
55–59	3.50–3.99	B+
41–54	3.00–3.49	B
0–40	0.00–2.99	C

प्रवेश

योग्यता मानंदड

प्रास्तावित पाठ्यक्रम और योग्यता की जानकारी

अनु क्रम	पाठ्यक्रम	विषय	निर्धारित सीटों की संख्या	अवधि	योग्यता
01	समग्र बी.ए. (आनर्स) और एम.ए.	इतिहास, अर्थशास्त्र, भुगोल, मनोविज्ञान और अंग्रेजी	30 प्रति विषय	बी.ए.(आनर्स) (कुल छःसेमिस्टर) 3साल के बाद बाहर निकलने का विकल्प अथवा बी.ए. (आनर्स) और एम.ए. पाँच साल (कुल 10 सेमिस्टर)	छात्रों की आयु 18 वर्ष होनी चाहिए, और मान्यता प्राप्त भारतीय या विदेशी विश्वविद्यालय /बोर्ड/समकक्ष (एआइयु सूची के विदेशी मान्यता के अनुसार) से 12वी/इंटरमिडिएट की शिक्षा न्यूनतम् 50% के साथ पूर्ण की हो, और जो विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित प्रवेश परीक्षा में योग्य हो।
02 03	एम.ए	अंग्रेजी, कन्नड भाषा और साहित्य	30 प्रति विषय	2 साल (चार सेमिस्टर)	छात्रों की आयु 20–24 के बीच हो, और मान्यता प्राप्त भारतीय या विदेशी विश्वविद्यालय(ए.आइ.यु. सूची के विदेशी मान्यता के अनुसार) की किसी भी शाखा से न्यूनतम् 50% से स्नातक पूर्ण किया हो(और एम.ए. अंग्रेजी में प्रवेश के लिए अंग्रेजी तथा एम.ए कन्नड भाषा और साहित्य में प्रवेश के लिए कन्नड का अध्ययन स्नातक स्तर के विषय के रूप में अध्ययन किया हो) और जो विश्वविद्यालय द्वारा प्रवेश परीक्षा में योग्य हो।
04	एम.एससी	जिओस्पेशियल एप्लीकेशन इन रीजनल डवलपमेन्ट	30 प्रति विषय	2 साल (चार सेमिस्टर)	छात्रों की आयु 20–24 के बीच हो, और किसी मान्यता प्राप्त भारतीय या विदेशी विश्वविद्यालय (एआइयु सूची के विदेशी मान्यता के अनुसार)

अनु क्रम	पाठ्यक्रम	विषय	निर्धारित सीटों की संख्या	अवधि	योग्यता
					से न्यूनतम् 50% से स्नातक पूर्ण किया हो, और विश्वविद्यालय द्वारा आयोजीत प्रवेश परीक्षा में योग्य हो।
05	एम.कॉम	एम.कॉम	30 प्रति विषय	2 साल (चार सेमिस्टर)	भारतीय या विदेशी विश्वविद्यालय (एआइयु सूची के विदेशी मान्यता के अनुसार) से किस भी शाखा में न्यूनतम् 50% से स्नातक पूर्ण किया हो, और जो विश्वविद्यालय द्वारा आयोजीत प्रवेश परीक्षा में योग्य हो।
06	एम.बी.ए	एम.बी.ए	30 प्रति विषय	2 साल (चार सेमिस्टर)	भारतीय या विदेशी विश्वविद्यालय (एआइयु सूची के विदेशी मान्यता के अनुसार) से किस भी शाखा में न्यूनतम् 50% से स्नातक पूर्ण किया हो, और जो विश्वविद्यालय द्वारा आयोजीत प्रवेश परीक्षा में योग्य हैं।
07	एम.फिल	इतिहास, भूगोल, मनोविज्ञान, अर्थशास्त्र, अंग्रेजी	06 प्रति विषय	1 साल (दो सेमिस्टर)	भारतीय या विदेशी विश्वविद्यालय (एआइयु सूची के अनुसार विदेशी मान्यता प्राप्त)से सम्बन्धित विषय में/सम्बद्ध क्षेत्र से न्यूनतम् 50% के साथ स्नात्कोत्तर पूर्ण किया हो, और जो विश्वविद्यालय द्वारा आयोजीत प्रवेश परीक्षा में योग्य हो। (जो अभ्यर्थी यूजीसी नेट/स्लेट परीक्षा पास है उन अभ्यर्थियों को प्रवेश परीक्षा में छूट है, वे केवल विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित साक्षात्कार में उपस्थित हो सकते हैं।)

कार्यकलाप

विश्वविद्यालय की स्थापना और विकास

1) गुलबर्गा विश्वविद्यालय के प्रशासनिक भवन की दूसरी मंजिल को कर्नाटक केन्द्रीय विश्विद्यालय के कार्य के लिए प्रावधान किया गया है।

2) विश्वविद्यालय कर्मचारियों की प्रतिनियुक्ति, सीधी नियुक्ति, ठेका तथा अतिथि के रूप में भर्ती करते है।

3) कुलपति, विशेष अधिकारी (प्रशासनिक और परीक्षा) तथा अकादमिक कर्मचारी के प्रशासनिक कार्यालय।

4) शैक्षणिक तथा गैर शैक्षणिक कर्मचारियों की भर्ती शुरू है।

5) कानूनी निकाय (अकादमिक तथा कार्य परिषद्) गठित है।

6) ग्रंथालय तथा कंप्यूटर लॅब की प्रारंभिक व्यवस्था पूरी हो चुकी है।

7) कर्नाटक राज्य सरकार द्वारा अलंड तालुका के गुलबर्गा–वागधारी के राजमार्ग के अंतर्गत स्थित कडगंचि सुंतनूर गावों के 621 एकड़ ज़मीन विश्वविद्यालय को सौपी गयी है।

8) परिसर की चहार दिवारी का निर्माण समाप्ति के नजदीक है।

9) वास्तुकार और परियोजना प्रबंधन परामर्श को अंतिम रूप दिया गया।

अकादमिक कार्यक्रमों की ढाँचा और विकास

1) उपर्युक्त कार्यक्रम शुरू करने के लिए परामर्श पद्धति द्वारा देश के विभिन्न प्रांतों के प्रसिद्ध अकादमिक व्यक्तियों के साथ संबंध स्थापित करने का कार्य शुरू है।

2) बंगलुरू में हुई विशेषज्ञों की परामर्श बैठक में प्राप्त आगत और सुझावों को एकसाथ रख कर विश्वविद्यालय द्वारा प्रस्तुत की गयी है।

3) पाठ्यक्रम निर्माण किया गया है।

4) विशेषज्ञों द्वारा चयन पर आधारित क्रेडिट पद्धति के अनुसार पाठ्य विवरण को विद्यापरिषद् एकक सदस्य के रूप में प्रस्तुत किया गया है।

5) साहित्य अकादमी, नई दिल्ली तथा गुलबर्गा विश्वविद्यालय कर्नाटक, गुलबर्गा के संयुक्त तत्वावधान में 5 और 6 मार्च, 2010 'शरनामिस्टिक और सुफी परंपरा' पर राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित की गयी।

संपर्क

कर्नाटक केन्द्रीय विश्वविद्यालय

(संसद अधिनियम के अनुसार 2009 में स्थापित)

दूसरा मंजिला, कार्य सौधा गुलबर्गा – 58106

प्रो. ए.एम. पठान	कुलपति	08472&272057
प्रो. एस. चंद्रशेखर	प्रति–कुलपति	08472&272066
श्री. अनुप के. पुजारी	कुलसचिव	apujari@yahoo.com anuppujari@hotmail.com 08472-278056
प्रो. अली रज़ा मूसवी	प्रोफेसर भूगोल **प्र.परिक्ष नियंत्रक**	08472&267663 moosvi1@gmail.com
श्री. पी.श्रीरामुलु	वित्त अधिकार	**focukgul@gmail.com** 08472- 245157
श्री. एस.एल. भंडारकर	उप–कुलसचिव	engineershiva08@gmail.com
श्री. एम.ए. कुद्दुस	सहायक कुलसचिव	quddus_maq@hotmail.com
श्री. वीरन्ना कम्मर	सहायक कुलसचिव	veerannakumar@gmail.com
श्री. सुनील जी	अनुभाग अधिकारी	sunil_kuder@yahoo.com
श्री. अज़ीम पाशा	अनुभाग अधिकारी	azeemph@gmail.com

पुस्तकालय

डॉ. परशुराम कट्टीमनी	**उप** पुस्तकालयाध्यक्ष	08472-273643 parashu.kattimani@gmail.com

कंप्यूटर लॉब

श्री. विनोद कुमार तांडुरकर	सिस्टम ॲनालिस्ट	**08472&273642** vtandurkar@yahoo.com